जुलाई से सितंबर - 2017

(त्रैमासिक)

हिन्दी वाणी

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एंव सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (दिल्ली केंद्र)
(इलेक्ट्रॉनिकी एंव सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था) द्वितीय मंजिल,पार्श्वनाथ मेट्रोमॉल,इन्द्रलोक मेट्रो स्टेशन, इन्द्रलोक, दिल्ली – 110052

मुख्यालय : नाइलिट भवन, ए-62 ब्लॉक ए, सेक्टर 8, द्वारका, नई दिल्ली

अक्तूबर 2017

प्रभारी निदेशक की डैस्क से

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एंव सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.), दिल्ली केंद्र ने तकनीकी के क्षेत्र में और डिजिटल भारत निर्माण के सहयोग के क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किए हैं । इसी अनुसरण में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वियन के अन्तर्गत सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हम गम्भीरता से प्रयास कर रहे है । इसके कुछ अच्छे परिणाम सामने भी आ रहे है । केंद्र में हिंदी का प्रयोग और हिंदी संबंधी गतिविधियां काफी बढ़ी है । सितंबर में संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा अधिकारियो / कर्मचारियों ने इसमें बढ़ चढ़ कर भाग लिया । यह एक सफल आयोजन रहा । हमने कुछ अन्य गतिविधियों जैसे कि स्वतन्त्रता दिवस समारोह, शिक्षक दिवस समारोह, स्वच्छता अभियान दिवस समारोह जैसे आयोजन भी किए जिनका संचालनहिन्दी का प्रयोग किया गया । इसके अतिरिक्त डिजिटल इंडिया, कौशल विकास योजना, तथा कैशलैस इंडिया क्षेत्र में हमारे संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका रही । हमारा संस्थान तकनीकी प्रकृति का होने के कारण अब हम सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने की दिशा में तथा हरित क्रान्ति के क्षेत्र में जनसाधारण में जागृति पैदा करने का विचार भी रखते हैं । हम सरकार की सभी नीतियों के कार्यान्वियन के प्रति समर्पित हैं ।

नाइलिट दिल्ली केंद्र की हिंदी वाणी का यह द्वितीय अंक आपको सौंपते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है । यह एक ऐसा प्रयास है जिससे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन मिलेगा तथा हिंदी का प्रयोग और अधिक बढ़ेगा । हमें आपके अमूल्य सुझाव की भी प्रतीक्षा रहेगी ।

शुभकामनाओं सहित ।

(शमीम खाँ)
प्रभारी निदेशक

दिनांकः अक्तूबर 2017

परिचय

नाइलिट परिचय

रा.इ.सू.प्रौ.सं, नई दिल्ली की स्थापना मार्च 2000 में की गई थी। यह स्थापितमानदंडों वाला व्यवसायिक रुप से तकनीकी प्रबंधन केन्द्र है। यह एक आईटी कार्पोरेट हैजिसकी कार्यनीतियां सुस्पष्ट हैं और यह अपने विभिन्न कार्यों -समाधान-का आईटी अपने ग्राहकों को प्रदान करता है। इससंस्थान ने गुणवत्तायुक्त कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करने और सरकार की विभिन्नक्षेत्रों में परियोजनाएं संचालित करने में अपनी क्षमता सिद्ध की है। नवंबर 2012 में नाईलिट दिल्ली केंद्र एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में अस्तित्व में आया । इस संस्थान ने अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं जिनमें अनेकअस्पतालों, दिल्ली सरकार, सरकारी उपक्रम, भारत सरकार के स्वायत निकायों और विभिन्नसरकारी कार्यालयों की विभिन्न टर्नकी आईटी परियोजनाओं का कंप्यूटरीकरण सहित, निष्पादन के अनेक कार्य किए हैं। दिल्ली सरकार के लगभग सभी कार्यालयों के लिए आईटी योजनातथा उनमें जनशक्ति प्रदान की है ।

नाइलिट दिल्ली केंद्र की जुलाई से सितंबर तिमाही की गतिविधियां

प्रशिक्षण, कंप्यूटरीकरण, आईटी योजना, वेबसाइट निर्माण और वेब प्रयोग निर्माणहमारे मुख्य उद्देश्य है, जिसमें हमनें एक संस्थान के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शनकिया है जिससे हमारा नाम प्रतिष्ठित हुआ है। संस्थान डी ई ओ ओ लेवल / ए लेवल /बी लेवल तथा मल्टीमीडिया आदि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके अलावा यह छात्रों और व्यवसायियोंके लिए अनेक लघु और दीर्घावधि पाठ्यक्रम संचालित करता है।

स्थानांतरण :

श्री गुरजीत सिंह, अपर निदेशक ,का दिनांक जुलाई 2017 को चंडीगढ़ केंद्र में स्थानांतरण 25
श्रीमती मधुबाला,सहायक निदेशक (वित्त), का मुख्यालय में स्थानांतरण
श्री आकाश शर्मा, संयुक्त निदेशक, नाईलिट मुख्यालय से दिल्ली केंद्र में स्थानांतरित
श्रीमती अल्पना अग्रवाल, संयुक्त निदेशक, नाइलिट मुख्यालय से दिल्ली केंद्र में स्थानांतरित

महानिदेशक महोदय का विदाई समारोह :

दिनांक 02 अगस्त 2017 को महानिदेशक डॉक्टर अश्विनी कुमार शर्मा जी के लिए नाइलिट दिल्ली केंद्र में विदाई समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर उन्होने केंद्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया तथा दिल्ली केंद्र की पत्रिका 'हिन्दी वाणी' का विमोचन किया । दिल्ली केंद्र के प्रभारी निदेशक महोदय द्वारा नाईलिट को विशिष्ट पहचान दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका एवं प्रयासों की चर्चा की तथा उन्हें आश्वासन दिया कि आपके मार्गदर्शन और दिशा निदेशों पर चलते हुए हम सदैव नाइलिट की अलग पहचान बनाए रखेंगे । जलपान एवं शुभकामनाओं के आदान प्रदान के साथ समारोह समाप्त हुआ ।

केंद्र के विभिन्न अनुभागों की गतिविधियां

हिन्दी अनुभाग

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक :

दिनांक 29 अगस्त 2017 को दिल्ली केंद्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रभारी निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई । बैठक में समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया तथा केंद्र में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के विभिन्न उपायों पर चर्चा की । हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किस प्रकार किया जाये इस विषय पर विशेष रूप से चर्चा हुई । सभी सदस्यों ने अपने सुझाव दिये । इस बैठक में केंद्र में हिन्दी के प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर संतोष व्यक्त किया गया ।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन :

दिनांक 15 सितंबर 2017 को साँय केंद्र में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इसमें केंद्र के 26 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । कार्यशाला में निदेशक महोदय सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे । हिन्दी कार्यपालक द्वारा विस्तार से राजभाषा नियमों की जानकारी दी गई तथा हिन्दी में टिप्पण व आलेखन की सरल विधि भी बताई । कार्यशाला में अधिकारियों एवं कर्मचासरियों की राजभाषा संबंधी शंकाओं का निराकरण किया गया तथा सभी को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया ।

हिन्दी पखवाड़ा – सितंबर 2017:

दिनांक 01 सितंबर 2017 से 14 सितंबर 2017 तक नाईलिट दिल्ली केंद्र में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम दिनांक 01 सितंबर 2017 को प्रभारी निदेशक महोदय ने माँ भारती के चित्र पर माला अर्पण करके तथा दीप प्रज्वलित करके हिन्दी पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ किया । इसके पश्चात खुला मंच का आयोजन किया गया जिसमें केंद्र के कर्मचारियों द्वारा कविता, गीत तथा हास्य रस गीत प्रस्तुत किए गए ।

इस अवसर पर दिनांक 01 सितंबर को हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता , 4 सितंबर को हिन्दी निबंध प्रतियोगिता, 6 सितंबर को कविता पाठ प्रतियोगिता, तथा 7 सितंबर को हिन्दी नोटिंग ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । 06 सितंबर को कविता पाठ प्रतियोगिता के अवसर पर पंजाब एंड सिंध बैंक प्रधान कार्यालय नई दिल्ली से प्रबन्धक (राजभाषा) डॉक्टर नीरू पाठक निर्णायक मण्डल सदस्य के रूप में उपस्थित रही । उपरोक्त चार प्रतियोगिताओं में कुल मिलाकर 67 प्रतियोगियों ने भाग लिया । 01 सितंबर 2017 को प्रभारी निदेशक महोदय द्वारा सभी अधिकारियों / कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने संबंधी एक अपील जारी की गई । दिनांक 15 सितंबर 2017 को साँय 4:30 बजे पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया । इस समारोह में पंजाब एंड सिंध बैंक प्रधान कार्यालय से सहायक महाप्रबन्धक (राजभाषा) श्री राजेन्द्र सिंह बेवली मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 14 सितंबर 2017 को हिन्दी दिवस के अवसर पर पंजाब एंड सिंध बैंक प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली को “क” क्षेत्र में प्रथम रहने पर राष्ट्रपति जी द्वारा “राजभाषा कीर्ति पुरस्कार” से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार वितरण समारोह में हिन्दी पखवाड़ा की प्रतियोगिताओं में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा नकद पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । मुख्य आतिथि ने अपने उद्बोधन में नाईलिट दिल्ली केंद्र में राजभाषा हिन्दी के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी । प्रभारी निदेशक महोदय ने भी सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया तथा सभी को अपना काम हिन्दी में ही करने का परामर्श दिया।

अंत में श्रीमती अल्पना अग्रवाल, संयुक्त निदेशक एवं नामित राजभाषा अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा समारोह समाप्त हुआ ।

प्रशिक्षण अनुभाग

क्षमता निर्माण :

परियोजना कार्य, कक्षा में पढ़ाए जाने वाले कार्य का अभिन्न अंग है , ताकि उन्हें इसका व्यावहारिक अनुभव हो , यह अनुभव रोजगार उद्देश्य के लिए जरूरी भी है। नाईलिट दिल्ली केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा कुछ नई परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है । जैसे कि सिक्योरिटी एक्सेस कंट्रोल, राडार यूजिंग एर्ड्यिनों, एर्ड्यिनों आधारित स्मार्ट इरिगेशन सिस्टम , ब्लू टूथ मॉड्यूल और एर्ड्यिनों के प्रयोग से कंट्रोलिंग डिवाइस आदि।

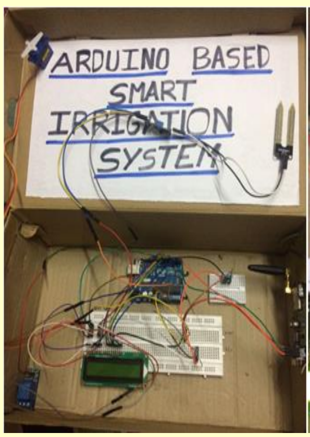

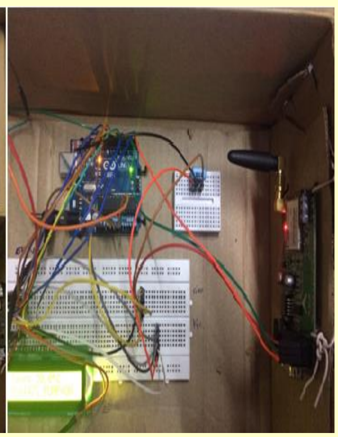

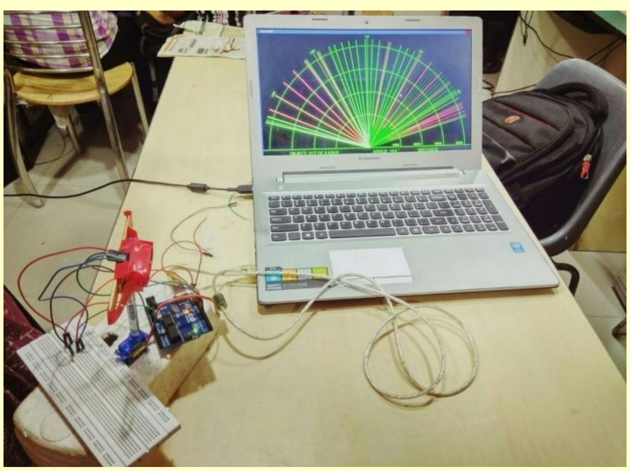

औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम :

दिनांक 28-7-2017 को नाईलिट दिल्ली केंद्र में प्रमाणपत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 71 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए । इन विद्यार्थियों नें अपने बी॰ टेक॰ के प्रोग्राम में अनिवार्य रूप से 2 माह का प्रशिक्षण पूरा किया था । प्रभारी निदेशक महोदय ने विद्यार्थियों को भविष्य में सफल होने के लिए प्रोत्साहित किया तथा आश्वासन दिया कि नाईलिट उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने में भी सहयोग करेगा ।

पुनर्वास महानिदेशालय (डी जी आर) :

नाईलिट दिल्ली केंद्र ने पुनर्वास महानिदेशालय , रक्षा मंत्रालय के दो बैच को **सर्टिफाइड मीडिया डिवेल्पर ऑफ एनएस क्यू एफ लेवल-5,** में प्रशिक्षण दिया,प्रत्येक बैच में 43 प्रशिक्षणार्थी थे । केंद्र के प्रभारी निदेशक श्री शमीम खाँ जी ने प्रमाणपत्र वितरित किए तथा सभी को कोर्स की सफलता पर बधाई दी ।

एन एस जी मुख्यालय, दिल्ली में एन एस जी अधिकारियों को प्रशिक्षण :

दिनांक 11-7-2017 को एन एस जी मुख्यालय में वहाँ के अधिकारियों को नाईलिट अधिकारियों द्वारा “इन्टरनेट टूल एंड यूजेज़ “ “ऑफिस आटोमेशन एवं एम एस प्रोजेक्ट “ का प्रशिक्षण दिया गया।

शिक्षक दिवस समारोह:

नाईलिट दिल्ली केन्द्र में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा सफल प्रतियोगियों को प्रभारी निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार दिये गए तथा संबोधित किया गया।

नाईलिट दिल्ली केंद्र द्वारा स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन :

दिल्ली केंद्र में 71 वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर चित्रण, भाषण, गीत व कविता आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्रभारी निदेशक श्री शमीम खाँ द्वारा अपने सम्बोधन में स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदो की याद दिलाई । मिठाई वितरण तथा राष्ट्रगान के साथ समारोह समाप्त हुआ ।

जनशक्ति अनुभाग

जुलाई से सितंबर की अवधि में जनशक्ति अनुभाग द्वारा 78 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया । इसके अतिरिक्त दिल्ली सरकार के चार नए विभाग भी नाइलिट से जुड़े हैं। अखिल भारतीय शिक्षा परिषद को आई टी प्रोफेशनल्स उपलब्ध कराये जाने के लिए भी सहमति हुई है।

प्रोक्योरमेंट अनुभाग

स्वछता अभियान के अंतर्गत दिनांक 19 सितंबर 2017 को दिल्ली केंद्र में एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इस आयोजन में 150 अधिकारियों / कर्मचारियों / प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त दिनांक 25 सितंबर 2017 को विद्यार्थी जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रशासन एवं वित्त अनुभाग

जुलाई से सितंबर की तिमाही के दौरान संस्थान में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अद्यतन सूची मुख्यालय को भेजी गई तथा इसे वेब साइट पर भी अपडेट कर दिया गया। अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवा पंजियों में सभी प्रविष्टियाँ कर इन्हे अद्यतन कर दिया गया। सभी कर्मियों का सेवा रिकार्ड का डिजिटाइजेशन कर दिया गया है। वित्त विभाग का अधिकांश कार्य अब कैशलैस हो गया है। मुख्यालय को भेजी जाने वाली आई ई बी आर रिपोर्ट यथा समय मुख्यालय को भेजी गई। इसके अतिरिक्त आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट भी मुख्यालय को भिजवा दी गई। उल्लेखनीय है कि वित्त एवं प्रशासन अनुभाग का 80 % से अधिक कार्य हिन्दी में किया जा रहा है। इस उद्देश्य के लिए श्री अरविंद रावत, उप निदेशक (वित्त एवं प्रशासन) द्वारा समय-समय पर बैठक करके अपने अधीनस्थ कर्मियों को आवश्यक दिशा निदेश दिये गए तथा उनका मार्गदर्शन भी किया गया।

कविता / कहानी / रचना भाग

तूँ जिंदा क्यूँ नहीं है

कोई पक्का इरादा क्यूँ नहीं है
तुझे खुद पर भरोसा क्यूँ नहीं है
पाँव जब बने हैं चलने के लिए ही
फिर इन पांवो पर चलता क्यूँ नहीं है
बहुत संतुष्ट है हालात से क्यूँ तूँ
तेरे भीतर भी गुस्सा क्यूँ नहीं है
क्यूँ झूठों की तरफदारी में शामिल है तूँ
तुझे होना था सच्चा, तूँ सच्चा क्यूँ नहीं है
सभी का अपना है यह मुल्क
आखिर सभी को इसकी चिंता क्यूँ नहीं है
है तेरा भी हिस्सा इस आबो हवा में
इतना भी तूँ समझता क्यूँ नहीं है
किताबों में लिखा है बहुत कुछ
उस लिखे कोई कोई पढ़ता क्यूँ नहीं है
लहू रिश्तों का पानी हो गया है क्यूँ
लहू रिश्तों का गाढ़ा क्यूँ नहीं है
तूँ बाहर से तो ज़िंदा लगता है
तूँ भीतर से ज़िंदा क्यूँ नहीं है

नीलम मेंदीरत्ता
प्रशासन कार्यपालक

दीवाली में

राष्ट्र हित का गला घोंट कर , छेद न करना थाली में
मिट्टी वाले दिये जलाना, अबकी बार दीवाली में
देश के धन को देश में रखना, नहीं बहाना नाली में
मिट्टी वाले दिये जलाना , अबकी बार दीवाली में
बने जो अपनी मिट्टी से वो , दिये बिकें बाज़ारों में
छुपी है वैज्ञानिकता अपनी, सभी तीज त्योहारों में
चाइना झालर से आकर्षित, सब कीट पतंगे आते हैं
जबकि दिये में जलकर सब, बरसाती कीड़े मर जाते हैं
कार्तिक दीप दान से बदले, मित्र दोष खुशहाली में
मिट्टी वाले दिये जलाना, अबकी बार दीवाली में

प्रभाष पाण्डेय
वरिष्ठ सहायक ,लेखा अनुभाग

किताब

जब कोई दोस्त हो तुम्हारे खिलाफतो मदद करती हैं कुछ किताब
जब हों हमारे इम्तिहान पासतो मदद मिलती है इनसे खास
जब कोई हमसे हो नाराज़तो पढ़ता हूँ किताबों से बेहतरीन राग
तो फिर हर दोस्त बन जाता है मेरा दोस्तखास किताब ही है एक हमारी दोस्त
सरस्वती माँ का है इसमें आशीर्वादजो हमेशा रहेगा, हमारे साथ
इसलिए कहता हूँ कभी मत भूलनाज्ञान और दोस्ती का मिलाप
यह है हमारी किताब

गौरव सचान
ओ लेवल – विद्यार्थी

बदलाव

जिन्दगी में बहुत सारे अवसर ऐसे आते है जब हम बुरे हालात का सामना कर रहे होते है और सोचते है कि क्या किया जा सकता है क्योंकि इतनी जल्दी तो सब कुछ बदलना संभव नहीं है और क्या पता मेरा ये छोटा सा बदलाव कुछ क्रांति लेकर आएगा या नहीं लेकिन मैं आपको बता दूँ हर चीज़ या बदलाव की शुरुआत बहुत ही basic ढंग से होती है | कई बार तो सफलता हमसे बस थोड़े ही कदम दूर होती है कि हम हार मान लेते है जबकि अपनी क्षमताओं पर भरोसा रख कर किया जाने वाला कोई भी बदलाव छोटा नहीं होता और वो हमारी जिन्दगी में एक नीव का पत्थर भी साबित हो सकता है | चलिए एक कहानी पढ़ते है इसके द्वारा समझने में आसानी होगी कि छोटा बदलाव किस कदर महत्वपूर्ण है |

एक लड़का सुबह सुबह दौड़ने को जाया करता था | आते जाते वो एक बूढी महिला को देखता था | वो बूढी महिला तालाब के किनारे छोटे छोटे कछुवों की पीठ को साफ़ किया करती थी | एक दिन उसने इसके पीछे का कारण जानने की सोची |

वो लड़का महिला के पास गया और उनका अभिवादन कर बोला " नमस्ते आंटी ! मैं आपको हमेशा इन कछुवों की पीठ को साफ़ करते हुए देखता हूँ आप ऐसा किस वजह से करते हो ?" महिला ने उस मासूम से लड़के को देखा और इस पर लड़के को जवाब दिया " मैं हर रविवार यंहा आती हूँ और इन छोटे छोटे कछुवों की पीठ साफ़ करते हुए सुख शांति का अनुभव लेती हूँ |" क्योंकि इनकी पीठ पर जो कवच होता है उस पर कचता जमा हो जाने की वजह से इनकी गर्मी पैदा करने की क्षमता कम हो जाती है इसलिए ये कछुवे तैरने में मुश्किल का सामना करते है | कुछ समय बाद तक अगर ऐसा ही रहे तो ये कवच भी कमजोर हो जाते है इसलिए कवच को साफ़ करती हूँ |

यह सुनकर लड़का बड़ा हैरान था | उसने फिर एक जाना पहचाना सा सवाल किया और बोला "बेशक आप बहुत अच्छा काम कर रहे है लेकिन फिर भी आंटी एक बात सोचिये कि इन जैसे कितने कछुवे है जो इनसे भी बुरी हालत में है जबकि आप सभी के लिए ये नहीं कर सकते तो उनका क्या क्योंकि आपके अकेले के बदलने से तो कोई बड़ा बदलाव नहीं आयेगा न |

महिला ने बड़ा ही संक्षिप्त लेकिन असरदार जवाब दिया कि भले ही मेरे इस कर्म से दुनिया में कोई बड़ा बदलाव नहीं आयेगा लेकिन सोचो इस एक कछुवे की जिन्दगी में तो बदल्वाव आयेगा ही न | तो क्यों हम छोटे बदलाव से ही शुरुआत करें |

भानुप्रिया
प्रशिक्षण विभाग

यह जीवन है

एक नगर में एक मशहूर चित्रकार रहता था। चित्रकार ने एक बहुत सुंदर तस्वीर बनाई और उसे नगर के चौराहे में लगा दिया और नीचे लिख दिया कि जिस किसी को , जहाँ भी इसमें कमी नज़र आये वह वहाँ निशान लगा दे। जब उसने शाम को तस्वीर देखी उसकी पूरी तस्वीर पर निशानों से खराब हो चुकी थी। यह देख वह बहुत दुखी हुआ। उसे समझ नहीं आ रहा था कि अब क्या करे । वह दुखी बैठा हुआ था तभी उसका एक मित्र वहाँ से गुजरा उसने उसके दुखी होने का कारण पूछा तो उसने पूरी घटना बताई।

तब उसके मित्र ने कहा एक काम करो कल दूसरी तस्वीर बनाना और उसमें लिखना कि जिस किसी को इस तस्वीर मैं जहाँ कहीं भी कोई कमी नज़र आये उसे सही कर दे।

उसने अगले दिन यही किया, शाम को जब उसनेअपनी तस्वीर देखी तो उसने देखा कि तस्वीर पर किसी ने कुछ नहीं किया। वह संसार की रीति समझ गया।

“कमी निकालना, निन्दा करना, बुराई करना आसान है लेकिन उन कमियों को दूर करना अत्यंत कठिन होता है”। यही जीवन है।

गीता भटनागर
जनशक्ति विभाग

मन को मारे मत बैठो

जीवन में कुछ करना है तो, मन को मारे मत बैठो
आगे-आगे बढना है ,तो हिम्मत हारे मत बैठो
तेज दौड़ने वाला खरहा ,दो पग चलकर हार गया
धीरे-धीरे चलकर कछुआ ,देखो बाजी मार गया
चलो कदम से कदम मिलकर ,दूर किनारे मत बैठो
आगे-आगे बढना है तो ,हिम्मत हारे मत बैठो
चलने वाला मंजिल पाता बैठा पीछे रहता है
ठहरा पानी सड़ने लगता,बहता निर्मल होता है
पाँवमिले चलने की खातिर पाव पसारे मत बैठो
आगे-आगे बढना है तो ,हिम्मत हारे मत बैठो
धरती चलती तारे चलते ,चांद रात भर चलता है
किरणों का उपहार बाटने,सूरज रोज निकलता है
हवा चले महक बिखेरे,तुम भी प्यारे मत बैठो
आगे-आगे बढना है तो,हिम्मत हारे मत बैठो
जीवन में कुछ करना है तो ,मन को मारे मत बैठो
आगे-आगे बढ़ना है तो ,हिम्मत हारे मत बैठो

पंकज शर्मा

जनशक्ति अनुभाग

राजभाषा हिन्दी ज्ञान

केंद्र में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में काफी प्रगति हुई है । तथापि केंद्र के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जानकारी के लिए राजभाषा नियमों का सारांश नीचे दिया जा रहा है ।

❖ भारत वर्ष की संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। यही कारण हैं कि भारत सरकार के सभी केंद्रीय सरकार के कार्यालयों /उपक्रमो / बेंकों / स्वायत निकायो आदि में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है । संविधान के अनुछेद 343 के अनुसार भारतीय संघ की राजभाषा हिन्दी है तथा इसकी लिपि देवनागरी है । राजकीय कार्यो के लिए अंको का अंतराष्ट्रीय रूप ही मान्य है। राजभाषा के कार्यान्वयन के संदर्भ में मूल भावना है कि प्रेरणा एवं प्रोत्साहन से इसे लागू किया जाए । देश के अन्य क्षेत्रीय भाषाओं वाले राज्यो को यह न लगे कि राजभाषा के नाम पर हिन्दी उन पर थोपी जा रही है । इस बात को ध्यान में रखते हुए संविधान की अष्टम सूची में 22 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को स्थान दिया गया है । यह निम्नलिखित हैं ;-

1. असमिया 2. उड़िया 3. उर्दू 4. कन्नड 5. कश्मीरी 6. गुजराती 7. तमिल 8. तेलगु 9. पंजाबी 10. बंगला 11. मराठी 12. मलयालम 13. संस्कृत 14. सिंधी 15 . हिन्दी 16. मणिपुरी 17. नेपाली 18. कोंकणी 19. मैथिली 20. संथाली 21. बोड़ो 22. डोगरी ।

अंग्रेज़ी को इस सूची में स्थान नहीं दिया गया है । उल्खेनीय है कि नागालैंड राज्य की सरकारी कामकाज की भाषा अंग्रेज़ी है । विभिन्न राजभाषा कार्यान्वयन एजेंसियो के प्रयासो से एवं बदलते सामाजिक परिवेश के चलते राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ा है, जो स्थिति साठ सत्तर के दशक में थी वह अब बदल चुकी है । केंद्रीय कार्यालयों में अब हिन्दी का प्रयोग काफी बढ़ा है । संसदीय राजभाषा समिति, गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग तथा सभी मंत्रालयों / विभागों द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयास काफी सराहनीय रहे है। सामाजिक स्तर पर हिन्दी को लोकप्रिय बनाने में दूरदर्शन एवं निजी चेनलों ने एहम भूमिका निभाई है । संसदीय राजभाषा समिति जिसमें 30 संसद सदस्य होते हैं, इनमें से 20 लोकसभा से तथा 10 राज्य सभा से होते हैं। यह समिति राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन और विकास के लिए सर्वोच्च समिति है । अन्य समितियों में केंद्रीय हिन्दी समिति की भूमिका भी महत्वपूर्ण है । भारत के प्रधानमंत्री इस समिति के अध्यक्ष होते हें जबकि राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) के सचिव इसके सदस्य सचिव होते हें । इसके अतिरिक्त कुछ केंद्रीय मंत्री तथा कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री एवं हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के विद्वान इस समिति के सदस्य होते है । राजभाषा नीति के सम्भ्न्ध में दिशा निदेश देने वाली यह उच्च समिति है। .

❖ केंद्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति एक अन्य महत्वपूर्ण समिति है । सचिव राजभाषा इसके अध्यक्ष होते है तथा विभिन्न मंत्रालयों / विभागो की राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के अध्यक्ष इसके सदस्य होते है । समान्यतया ये सदस्य संयुक्त सचिव स्तर के होते है । हिन्दी सलाहकर समिति मंत्रालयों / विभागो में गठित की जाती है । समान्यत: इसमें 30 सदस्य होते है, जिनमें से 15 सरकारी तथा 15 गैर सरकारी सदस्य होते है ।

इनमें से लोकसभा व राज्यसभा से नामित सदस्य हिन्दी से जुड़े मंत्रालय / विभाग द्वारा नामित सदस्य शामिल होते है । समिति मंत्रालय / विभाग में हिन्दी प्रगति की समीक्षा करती है तथा हिन्दी प्रगति के लिए उपाय सुझाती है ।

- ❖ राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा देश के बड़े- बड़े नगरो में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जाता है। नगर स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयो / उपक्रमो / बैंकों आदि में कार्यरत वरिष्ठतम अधिकारी समिति के अध्यक्ष होते है तथा अन्य केंद्रीय कार्यालयो / उपक्रमो / बैकों आदि के कार्यालय प्रमुख इसके सदस्य होते है । समिति की वर्ष में दो बैठके की जानी अनिवार्य है । इन बैठकों पर हुए खर्च की प्रतिपूर्ति राजभाषा विभाग द्वारा की जाती है । यह समितियां गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के नियंत्रण में कार्य करती है ।

- ❖ वर्तमान में (मार्च 2017 तक) इनकी कुल संख्या 450 है । इन समितियों की बैठकों में सदस्य कार्यालयों के प्रमुखो द्वारा भाग लिया जाना अनिवार्य है । राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की सबसे छोटी परंतु महत्वपूर्ण इकाई प्रत्येक कार्यालय की अपनी विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति होती है । इस समिति का गठन प्रत्येक कार्यालय में किया जाना अनिवार्य है । चाहे वहाँ अधिकारियों / कर्मचारियों की संख्या कितनी भी कम या अधिक क्यों न हो । प्रत्येक तिमाही में समिति की एक बैठक अनिवार्य है । समिति की बैठको में राजभाषा विभाग क्षेत्रीय कार्यालय के प्रतिनिधि तथा केंद्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद (जहां हो) के प्रतिनिधि को आमंत्रित किया जाना चाहिए । समिति की बैठकों में कार्यालय में हिन्दी काम की समीक्षा की जाती है तथा सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के उपायो / सुझावो पर विचार किया जाता है । गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा देश भर में आठ राजभाषा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय स्थापित किए गए है । ये कार्यालय सीधे राजभाषा विभाग के नियंत्रण में कार्य करते है । वर्तमान में ये कार्यालय दिल्ली, गाज़ियाबाद, भोपाल, बंबई बंग्लौर, कोच्चीन, कलकत्ता तथा गुवाहाटी में कार्य कार्य रहे है । इन कार्यालयों को उनके कार्य क्षेत्रों के अनुसार राज्यों में कार्यान्वयन की जिम्मेवारी सोपी गई है ।

- ❖ इसके अतिरिक्त गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा स्थापित केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान नई दिल्ली तथा केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो नई दिल्ली सी. जी. ओ. कॉम्प्लेक्स में स्थित है । ये दोनों संस्थान केंद्रीय सरकारी अधिकारियों / कर्मचारियों को हिन्दी प्रशिक्षण, अनुवाद प्रशिक्षण एवं अनुवाद कार्य को करने में इस महत्वपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर रहे है ।

- राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वियन को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर **हिन्दी दिवस** को राजभाषा गौरव पुरस्कार तथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किए जाते है । इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय स्तर पर भी कार्यालयों / उपक्रमो / बैकों / स्वायत निकायों तथा नगर राजभाषा कार्यान्वियन समितियो को क्षेत्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते है । सभी केंद्रीय कार्यालयो / उपक्रमो / बैकों आदि से अपेक्षा की जाती है की वे अपनी राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबन्धित तिमाही प्रगति रिपोर्ट राजभाषा विभाग को ऑनलाइन अवश्य भेजें । इसके लिए राजभाषा विभाग के तकनीकी कक्ष में कार्यालय का पंजीकरण कराना आवश्यक होता है । कार्यालय में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए राजभाषा नियमो के अंतर्गत आवश्यक दिशा निदेश एवं जानकारी निम्नलिखित है :-

- राजभाषा नियम 1976 के नियम 12 के अंतर्गत प्रत्येक कार्यालय के कार्यालय प्रमुख का यह उत्तरदायित्व है कि वह अपने कार्यालय में राजभाषा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें ।

- नियम 5 के अंतर्गत कार्यालय में हिन्दी में प्राप्त हिन्दी पत्रों का उत्तर अनिवार्य रूप से हिन्दी में ही दिया जाए ।

- नियम 11 के अंतर्गत सभी कोड, मैनुयल फार्म, नाम पट्ट, बोर्ड , मोहरें आदि द्विभाषी होने अनिवार्य है ।

- धारा 3 (3) के अंतर्गत आने वाले 14 प्रकार के कागजात जैसे कि सामान्य आदेश, संकल्प, नियम, प्रैस विज्ञप्ति, सूचना, निविदा प्रारूप, संविदा, करार, अनुज्ञप्ति, अनुज्ञा पत्र, अधिसूचना, प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन, संसद में प्रस्तुत प्रशासनिक व अन्य प्रतिवेदन, संसद में प्रस्तुति हेतु राजकीय कागजात ये सभी अनिवार्य रूप से द्विभाषी जारी किए जाएँ ।

- संसदीय राजभाषा समिति की सिफ़ारिशों के अनुसार क तथा ख क्षेत्र से अँग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर भी हिन्दी में दिये जाने अपेक्षित हैं ।

- कार्यालय में हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त एवं हिन्दी कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त अधिकारियों/ कर्मचरियों के संबंध में रोस्टर रखा जाना अनिवार्य है ।

उपरोक्त राजभाषा नियमों की जानकारी केवल सारांश मात्र है । विस्तृत जानकारी के लिए गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग की वेबसाइट अथवा राजभाषा विभाग के आदेशों के संकलन से जानकारी प्राप्त करने का परामर्श दिया जाता है ।

नाईलिट दिल्ली केंद्र में जनशक्ति अनुभाग, प्रशिक्षण अनुभाग , प्रशासन अनुभाग, वित्त अनुभाग , एवं सी सी सी अनुभाग विशेष रूप से हिन्दी कार्यान्वयन के प्रति समर्पित हैं । समय समय पर अपने मुख्यालय, राजभाषा विभाग, एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) से मिलने वाले मार्गदर्शन, एवं दिशा निदेशों को नाइलिट दिल्ली केंद्र द्वारा गंभीरता से लिया जाता है तथा अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (दिल्ली केंद्र) भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति पूरी तरह समर्पित है।

जीवन में दो ही लोग असफल होते है,
एक वो जो सोचते है लेकिन करते नहीं,
दूसरे वो जो करते है लेकिन सोचते नहीं

प्रकाशनकर्ता फीडबैक एवं सुझाव :

राष्ट्रीय इलेक्ट्रोनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
(दिल्ली केंद्र)
पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल, इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन
नई दिल्ली -110052
फोन 011-23644849
ई-मेल : delhi@nielit.gov.inwebsite :www.nielit.gov.in